Jebi Mather Hisham : Shri Haris Beeran (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sujeet Kumar (Odisha) and Shri Sanjeev Arora (Punjab). श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल।

Demand to address the problems faced by farmers in Maharashtra

श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल (महाराष्ट्र): [&] "सभापति जी, मुझे आज का विषय मराठी में रखने का अवसर देने के लिए धन्यवाद। मैं कृषि सम्बन्धी एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात करना चाहती हूं। प्रकृति के प्रकोप और प्रशासन की उदासीनता से सबसे अधिक पीड़ित किसान ही हैं। देश के अन्नदाता के रूप में इन किसानों की प्रशंसा करते हुए भी, उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए कोई महत्वपूर्ण प्रयास नहीं किया जा रहा है। भारत में, विशेषकर महाराष्ट्र में, यदि कोई सबसे कठिन परिस्थिति में है, तो वह किसान हैं। ये सत्य है कि विशेषकर मेरे मराठवाड़ा क्षेत्र के किसान फसल नष्ट होने और कर्ज के बोझ जैसी समस्याओं के कारण आज मौत का सामना कर रहे हैं। कल वाणिज्य मंत्री ने लोकसभा में बताया कि महाराष्ट्र के किसानों का 7.38 लाख रुपया बकाया है।

2021 में महाराष्ट्र सरकार ने घोषणा की कि वह एक रुपये में कृषि बीमा दिलाएगी। किसानों ने इस उम्मीद के साथ बीमा कराया था कि अगर उनकी फसलें बर्बाद भी हो गईं तो भी उन्हें बीमा कवरेज मिलेगा। लेकिन वैसा नहीं हुआ, बल्कि महाराष्ट्र में करीब-करीब 500 करोड़ रुपये का बहुत बड़ा बीमा घोटाला हुआ है। और सिर्फ मैं ये नहीं कह रही हूं, यह आरोप सत्तारूढ़ भाजपा विधायक ने लगाया है। सोयाबीन, कपास, प्याज समेत कई फसलों के लिए एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को लेकर किए गए वादे कब पूरे होंगे, इस सवाल पर भी सरकार की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इस साल सोयाबीन की फसल तैयार है, लेकिन सोयाबीन रखने के लिए जूट की थैली नहीं होने के कारण इसकी खरीद नहीं हो रही है। सोयाबीन खरीद के लिये समय सीमा आठ दिन बढाने के बाद भी किसान सोयाबीन बेचने के लिए रात रात भर लाइन में लगे रहे । लेकिन कुछ स्थानीय लोग पहले से ही सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं। सोयाबीन का अनुमानित मूल्य 6,000 रुपये प्रति क्विंटल है, लेकिन किसान को बमुश्किल 3.8-4.5 हजार रुपये ही मिल रहे हैं। एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी की मांग भी लंबित है। कई किसानों ने एक साल पहले से महा-डीपीटी पोर्टल पर ड्रिप सिंचाई के लिए आवेदन किया था, लेकिन उन्हें अभी तक सब्सिडी नहीं मिली है। इसके लिए आवश्यक राशि का भुगतान किए जाने के एक वर्ष बाद भी, इस संबंध में केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से कोई प्रगति नहीं हुई है। कम से कम महाराष्ट्र में तो ऐसा नहीं है।

मेरे राज्य में चूंकि कृषि के लिए रात में बिजली की आपूर्ति की जाती है, इसलिए किसानों को अपनी फसलों को पानी देने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। किसानों को ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराना चाहिए। कृषि उत्पादन लागत बढ़ रही है। उर्वरकों, कीटनाशकों,

---

[&] Hindi translation of the original speech delivered in Marathi.

उपकरणों, ईंधन और श्रम की लागत में पिछले तीन सालों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिसे आप अमृतकाल कहते हैं, वह किसानों के लिए विषकाल बन गया है।

कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करने की घोषणा बार-बार की जाती है लेकिन उस से पहले किसानों को एआई तकनीक में प्रशिक्षित करके उन्हें सशक्त बनाया जाना चाहिए । धन्यवाद।"

उपसभाध्यक्ष (श्री घनश्याम तिवाड़ी) : समय समाप्त हुआ। आपने पहले सूचना नहीं दी थी, इसलिए हमारे पास ट्रांसलेशन की सुविधा नहीं थी । आपको पहले कहना चाहिए था कि मैं मराठी में बोलूँगी।

श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल : सर, मैं दो दिन से कह रही हूँ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shrimati Rajani Ashokrao Patil : Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Need for protection to depositors of cooperative credit institutions and measures to regulate cooperative credit institutions

श्री धनंजय भीमराव महादिक (महाराष्ट्र): उपसभाध्यक्ष जी, देश और राज्य में सहकारी पतसंस्थाओं के माध्यम से छोटे उद्योगों और व्यवसायों को ऋण प्रदान किया जाता है, लेकिन कई संस्थाओं में आर्थिक घोटाले सामने आने के कारण जमाकर्ताओं का विश्वास इन छोटी पतसंस्थाओं से कम हो रहा है। इन संस्थाओं को नियमित सहकारी ऑडिट होने के बावजूद बीमा सुरक्षा नहीं दिया जाता है। अतः सहकारी पतसंस्थाओं के जमाकर्ताओं के बीच बीमा संरक्षण उपलब्ध करा दिया जाए, जिसमें जमा राशि डूबने के एक निश्चित समय-सीमा तक बीमा राशि...

उपसभाध्यक्ष (श्री घनश्याम तिवाड़ी) : अब आप बैठिए, समय समाप्त हुआ।

The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri Dorjee Tshering Lepcha (Sikkim). Now, Question Hour.